पूरे देश में 100% कैशलेस इलाज

सन्दर्भ: *सामान्य और स्वास्थ्य बीमा प्रदाता 25 जनवरी से देश भर में 100% कैशलेस उपचार पहल शुरू करके स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र को बढ़ावा दे रहे हैं।*

पहल का अवलोकन:

- इस सन्दर्भ में भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल आरम्भ की है।
- इस पहल का लक्ष्य 25 जनवरी से देश भर में 100% कैशलेस उपचार शुरू करना है।

उद्देश्य और प्रभाव:

- इस पहल के माध्यम से भारत में स्वास्थ्य बीमा को बढ़ावा मिलेगा।
- इसका उद्देश्य पॉलिसी धारकों और अस्पतालों से सम्बंधित प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और तेज करना है, ताकि प्रतिपूर्ति के तरीकों में होने वाली देरी और विवादों को कम किया जा सके।

100% कैशलेस उपचार का कार्य:

- 'कैशलेस एवरीवेयर' प्रणाली के तहत, पॉलिसीधारक बिना किसी अग्रिम भुगतान के किसी भी अस्पताल में उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि चुना गया अस्पताल बीमा कंपनी के सीमा क्षेत्र में नहीं है फिर भी वहां कैशलेस सुविधा उपलब्ध है।
- इसके लिए पॉलिसीधारक को कोई अग्रिम धनराशि भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है; बीमा कंपनी डिस्चार्ज के समय सम्पूर्ण बिल का भुगतान करेगी।

प्रक्रिया और दिशानिर्देश:

- इस पहल का लाभ लेने के लिए पॉलिसीधारकों को प्रवेश से कम से कम 48 घंटे पहले बीमा कंपनी को सूचित करना होगा।
- आपातकालीन उपचार के मामले में, प्रवेश के 48 घंटे के भीतर बीमा कंपनी को सूचित करना होगा।
- दावों को पॉलिसी शर्तों सहित कैशलेस सुविधा पात्रता बीमा कंपनी के परिचालन दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

तकनीकी सहायता:

- 100% कैशलेस प्रणाली राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा सहायता प्राप्त एक तकनीकी मंच द्वारा समर्थित है।
- नई कैशलेस भुगतान प्रणाली के सफल कार्यान्वयन के लिए दरों और सेवाओं का मानकीकरण आवश्यक है।

वर्तमान परिदृश्य:

- IRDAI की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 तक, 56% स्वास्थ्य दावों का निपटान कैशलेस प्रणाली के माध्यम से किया गया था।
- कैशलेस सुविधा अभी केवल बीमा कंपनी के साथ अनुबंध या टाई-अप वाले अस्पतालों में ही उपलब्ध है।

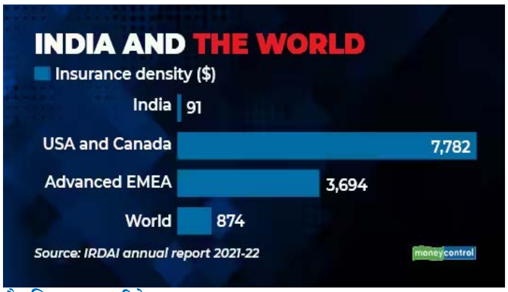

अपेक्षित लाभ और हितधारक परिप्रेक्ष्य:

- 100% कैशलेस प्रणाली को अस्पतालों, पॉलिसीधारकों और बीमाकर्ताओं के लिए फायदे का सौदा माना जाता है।
- दावों के निपटान में सुविधा होने से स्वास्थ्य बीमा में अपेक्षित वृद्धि हो सकती है।
- साथ ही साथ धोखाधड़ी में संभावित कमी, बीमा प्रणाली में विश्वास का बढ़ना आदि संभव ह सकेगा।

दावा निपटान आँकड़े:

- वर्ष 2022-23 के दौरान, बीमाकर्ताओं ने 70,930 करोड़ रुपये का भुगतान करते हुए 2.36 करोड़ स्वास्थ्य बीमा दावों का निपटान किया है।
- प्रति दावा भुगतान की गई औसत राशि 30,087 रुपये थी, जिसमें 56% कैशलेस मोड के माध्यम से और 42% प्रतिपूर्ति मोड के माध्यम से निपटान किया गया था।

भविष्य की रणनीति:

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में प्रीमियम जमा को लेकर एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।
- इस सन्दर्भ में दिसंबर 2023 को समाप्त होने वाली नौ महीने की अवधि में 79,559 करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है।

'सपिंड' विवाह (Sapinda Marriages)

सन्दर्भ: *दिल्ली उच्च न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 5(v) की संवैधानिकता को दी गई हालिया चुनौती को खारिज कर दिया। यह चुनौती उन दो हिंदुओं के बीच तब तक विवाह पर रोक लगाती है जो आपस में "सपिंड" हैं, जब तक कि उनकी परंपरा इसकी अनुमति नहीं देता।*

सपिंड विवाह की परिभाषा:

- सपिंड विवाह में निकट व्यक्तिगत संबंधों वाले ऐसे व्यक्ति शामिल होते हैं, जिन्हे हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 3 में परिभाषित किया गया है।
- सपिंड वे व्यक्ति हैं जो आपसी रिश्ते की सीमा में एक सामान्य वंशानुगत संबंधों को साझा करते हैं।

धारा 5(v) के तहत निषेध:

- मातृ पक्ष में, एक हिंदू व्यक्ति अपनी वंशावली की तीन पीढ़ियों के भीतर शादी नहीं कर सकता है।
- पितृ पक्ष की ओर से यह सीमा, निषेध व्यक्ति की पाँच पीढ़ियों के व्यक्तियों तक सम्बन्धित है।

शून्य विवाह और अपवाद:

- बिना स्थापित रीति-रिवाज के सपिंड विवाह के लिए हिंदू विवाह अधिनियम धारा 5(v) का उल्लंघन करने पर विवाह शून्य घोषित कर दिया जाता है।

अपवाद:

- हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 3 (ए) में परिभाषित सपिंड विवाह की अनुमति देने वाली प्रथा का लगातार पालन किया जाना चाहिए।

कानून की चुनौती के लिए आधार:

- 2007 में इस प्रथा के तहत सबूत के बिना एक महिला के विवाह को सपिंड रिश्ते के लिए शून्य घोषित कर दिया गया था।
- याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार के उल्लंघन का तर्क देते हुए धारा 5(v) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी।
- रीति-रिवाज के प्रमाण के बिना सपिंड विवाहों के प्रचलन का दावा किया गया और वैधता के प्रमाण के रूप में पारिवारिक सहमति का हवाला दिया गया।

न्यायालय का निर्णय और तर्क:

- दिल्ली HC को याचिकाकर्ता की दलीलों में कोई ठोस कारण नहीं दिखे।
- इसमें सपिंड विवाह को उचित ठहराने के लिए स्थापित परंपरा के सबूत का अभाव था।
- न्यायलय ने समानता के अधिकार के उल्लंघन के दावों को खारिज करते हुए विवाह में साथी की पसंद के नियमन पर जोर दिया।

अनाचार विवाह पर अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य:

- फ्रांस, बेल्जियम और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय देशों में अनाचार संबंधों पर कानून कम हावी हैं।
- आयरलैंड गणराज्य समलैंगिक विवाहों को मान्यता देता है लेकिन यहाँ भी अनाचार पर कानूनों को अद्यतन नहीं किया है।
- इतालवी कानून अनाचार को केवल तभी अपराध मानता है यदि यह "सार्वजनिक घोटाले" का कारण बनता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में, न्यू जर्सी और रोड (Rhode) आइलैंड को छोड़कर सभी 50 राज्यों में वयस्कों की सहमति से अनाचार विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

भारत-फ्रांस संबंध

संदर्भ : *दिसंबर 2023 में, भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) में अपना तीसरा राष्ट्रीय संचार (TNC) और प्रारंभिक अनुकूलन संचार प्रस्तुत किया।*

भारत-फ्रांस संबंधों का इतिहास:

- **भारत की स्वतंत्रता के बाद:**

- भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही दोनों देशों के मध्य राजनयिक संबंध स्थापित हुए।
- इस सन्दर्भ में 1960 के दशक से ही भारतीय हवाई बेड़े में फ्रांसीसी विमान और हेलीकॉप्टर एकीकृत किये जा चुके थे।
- अमेरिका द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद 1984 में फ्रांस ने तारापुर बिजली संयंत्र को परमाणु ईंधन की आपूर्ति भी की है।

➢ **शीत युद्ध के बाद का युग:**

- भारत और फ्रांस ने 1998 में एक रणनीतिक साझेदारी में प्रवेश किया।
- इन द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख स्तंभों में रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष और नागरिक परमाणु सहयोग शामिल हैं।

➢ **भारत और फ्रांस के बीच सहयोग के क्षेत्र:**

भू-राजनीतिक:

- फ्रांस ने भारत की यूएनएससी सदस्यता और संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन किया हैं।
- एमटीसीआर, वासेनार अरेंजमेंट और ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में भारत के शामिल होने के लिए भी फ्रांस ने भारत का समर्थन किया है।
- भारत ने फ्रांस को कई बार गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

भूरणनीतिक:

- फ्रांस ने रीयूनियन द्वीप पर भारतीय वायु सेना के विमानों को तैनात करके इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक सहयोग की है।
- समावेशी इंडो-पैसिफिक के लिए फ्रांस भारत-फ्रांस-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय वार्ता का हिस्सा है।

रक्षा एवं सुरक्षा:

- फ्रांस एक प्रमुख रक्षा भागीदार है, जो राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमान और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की आपूर्ति करता है।
- भारत एवं फ्रांस वरुण, गरुड़ और शक्ति जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास करता रहा है।
- दोनों देशों द्वारा हिंद महासागर क्षेत्र में संयुक्त गश्त, समुद्री क्षेत्र जागरूकता बढ़ावा देगा।

आर्थिक सहयोग:

- 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार 13.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें फ्रांस भारत में 11वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक था।
- भारत में 1,000 से अधिक फ्रांसीसी प्रतिष्ठान, लगभग 300,000 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं।

ऊर्जा और जलवायु:

- 2008 में एनएसजी से भारत की छूट और भारत की एनएसजी प्रविष्टि के लिए फ्रांस का सक्रिय समर्थन था।
- फ्रांस ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

- संयुक्त पृथ्वी अवलोकन मिशन और मंगल मिशन सहित अंतरिक्ष अभियानों पर हमेशा से द्विपक्षीय सहयोग रहा।
- महाराष्ट्र के जैतपुर में विश्व के सबसे बड़े परमाणु पार्क का संयुक्त निर्माण किया गया।
- **प्रवासी**: फ्रांस में लगभग 109,000 भारतीय, जिनमें फ्रांसीसी प्रवासी क्षेत्रों में भारतीय मूल की आबादी है।

➢ **भारत-फ्रांस संबंधों का महत्व:**

- **इंडो-पैसिफिक को सुरक्षित करना:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने और चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।
- **सामरिक स्वायत्तता:** रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए, एंग्लो-सैक्सन विचारों या पश्चिम-विरोधी भावनाओं से यह प्रेरित नहीं है।
- **प्रमुख संगठनों में प्रवेश:** यूएनएससी और एनएसजी जैसे संगठनों में भारत के प्रवेश के लिए फ्रांस का समर्थन महत्वपूर्ण है।
- **वैश्विक स्थिरता:** यूरोप में रूस की मुखरता की जांच करने और एशिया में चीन की मुखरता का मुकाबला करने के लिए यह आवश्यक है।
- **2047 समझौता:** सुपर कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते डोमेन में सहयोग दोनों देशों के भविष्य का रोडमैप तैयार करता है।

➢ **भारत-फ्रांस संबंधों में चुनौतियां:**

- **मुक्त व्यापार समझौते का अभाव:** एफटीए का अभाव गहरे आर्थिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है।
- **व्यापार असंतुलन और आईपीआर मुद्दे:** व्यापार असंतुलन और बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण पर चिंताएँ बढ़ती जा रही है।
- **रुकी हुई परियोजनाएँ:** जैतपुर परमाणु परियोजना जैसी अन्य कई परियोजनाएं सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं।
- **भू राजनीतिक दृष्टिकोण में अंतर:** यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और चीन के बीआरआई जैसे भू-राजनीतिक मुद्दों पर दोनों देशों के अलग-अलग दृष्टिकोण हैं।
- **उभरता हुआ भू राजनीतिक परिदृश्य:** मध्य पूर्व में अशांति और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भुगतान एग्रीगेटर

हाल ही में ज़ोमैटो की सहायक कंपनी ज़ोमैटो पेमेंट्स प्राइवेट लि. लिमिटेड (ZPPL) को भारत में 'ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर' के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) से प्राधिकरण का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

भुगतान एग्रीगेटर के बारे में:

- पेमेंट एग्रीगेटर एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता है जो व्यापारियों को भुगतान प्रोसेसर से जोड़ता है।
- यह व्यापारियों को अपनी वेबसाइटों या ऐप्स में एकीकृत करके ग्राहकों से भुगतान स्वीकार करने की अनुमति देता है।
- यह व्यापारियों को व्यक्तिगत बैंक-आधारित व्यापारी खाते स्थापित करने की आवश्यकता के बिना ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान सहित विभिन्न प्रकार के लेनदेन को सक्षम बनाता है।
- इसे भारत में कंपनी अधिनियम 2013 के तहत शामिल किया गया है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	▪ इसे संचालित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) से लाइसेंस की आवश्यकता होती है भले ही यह एक बैंक या गैर-बैंक इकाई हो। ▪ भारत में पेमेंट एग्रीगेटर के कुछ उदाहरणों में अमेज़ॅन (पे) इंडिया, गूगल इंडिया, रेज़रपे, पाइन लैब्स आदि शामिल हैं। ▪ कई भुगतान एग्रीगेटर्स अपने व्यापारी ग्राहकों को विशेष सेवाएं प्रदान करने के लिए भुगतान गेटवे के मालिक होते हैं।
वीरता पुरस्कार 	हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 12 मरणोपरांत सहित 80 सैन्य कर्मियों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। **वीरता पुरस्कार:** ▪ वीरता पुरस्कार भारत में पुलिस अधिकारियों को बहादुरी, साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण प्रदर्शित करने के लिए दिया जाने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। ▪ इस पुरस्कार की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है पहले गणतंत्र दिवस के अवसर पर और फिर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर। ▪ इसे दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: दुश्मन के सामने वीरता और दुश्मन के सामने अन्य वीरता। ▪ पुरस्कार की पहली श्रेणी में परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र शामिल हैं। ▪ दूसरी श्रेणी में अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र शामिल हैं। ▪ अशोक चक्र शांतिकाल का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है और युद्ध के मैदान से दूर साहसी कार्रवाई, वीरता या आत्म-बलिदान के लिए दिया जाता है। ▪ कीर्ति चक्र शांतिकाल का दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है और शौर्य चक्र तीसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है।
वेल्लयानी झील 	हाल ही में कॉलेज के तीन छात्र वेल्लयानी झील में डूब गए हैं। **वेल्लयानी झील के बारे में:** ▪ वेल्लयानी झील, जिसे वेल्लयानी कयाल के नाम से भी जाना जाता है यह केरल के तिरुवनंतपुरम में एक मीठे पानी की झील है। ▪ यह केरल की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है और तिरुवनंतपुरम जिले की सबसे बड़ी झील है। ▪ ओणम के दौरान झील में वार्षिक अय्यंकाली नवका दौड़ का आयोजन किया जाता है। ▪ यह कल्लियूर, वेंगनूर और विझिंजम ग्राम पंचायतों के लिए पीने के पानी का एक प्रमुख स्रोत है और सिंचाई के लिए भी उपयोग किया जाता है। ▪ झील आर्द्रभूमि पक्षियों की 92 प्रजातियों और मछलियों की 37 प्रजातियों का घर है। ▪ इसे प्रदूषण, अतिक्रमण और रेत खनन से ख़तरा है।
रैट-होल खनन 	हाल ही में नागालैंड के वोखा जिले में एक रैटहोल कोयला खदान में आग लगने से छह श्रमिकों की मौत हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। **रैट-होल खनन के बारे में:** ▪ रैट-होल खनन कोयला खनन की एक आदिम और खतरनाक विधि है। ▪ इसमें बहुत छोटी सुरंगें खोदना शामिल है जो आमतौर पर 3-4 फीट ऊंची होती है जिसमें श्रमिक कोयला निकालने के लिए प्रवेश करते हैं। ▪ बॉक्स-कटिंग विधि से आयताकार सुरंगें बनायी जाती हैं जिससे कोयला निष्कर्षण के लिए ऊर्ध्वाधर गड्ढे और छोटी क्षैतिज सुरंगें बनती हैं। ▪ रैट-होल दो प्रकार के होते हैं: ऊर्ध्वाधर शाफ्ट और क्षैतिज। ▪ यह ज्यादातर पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर मेघालय और नागालैंड में प्रचलित है। ▪ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने खतरों और पर्यावरणीय चिंताओं के कारण 2014 में रैट-होल खनन पर प्रतिबंध लगाया था जिसे 2015 में बरकरार रखा गया। ▪ सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में निजी और सामुदायिक खनन पर प्रतिबंध को पलट दिया मेघालय सरकार पर 300 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।
स्मार्टकोर 	हाल ही में, ऑस्ट्रिया के TU ग्राज़ के शोधकर्ताओं को अपने सफल 'कृत्रिम त्वचा' प्रोटोटाइप के वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों की जांच करने के लिए स्मार्टकोर परियोजना के लिए धन प्राप्त हुआ है, जो कथित तौर पर वास्तविक त्वचा से भी अधिक 'महसूस' कर सकता है। **स्मार्टकोर के बारे में:** ▪ स्मार्टकोर एक क्रांतिकारी थ्री-इन-वन हाइब्रिड सामग्री है जिसे ऑस्ट्रिया के टीयू ग्राज़ में डॉ. अन्ना मारिया कोक्लाइट और उनकी टीम द्वारा विकसित किया गया है। ▪ यह मानव त्वचा से काफी मिलता-जुलता है और साथ ही दबाव, नमी और तापमान को महसूस करके उन्हें इलेक्ट्रॉनिक संकेतों में परिवर्तित करता है। ▪ प्रति वर्ग मिलीमीटर 2,000 सेंसर के साथ, स्मार्टकोर मानव उंगलियों की संवेदनशीलता को पार कर जाता है। ▪ यह असाधारण रूप से पतला है, इसकी माप केवल 0.006 मिलीमीटर है, जो इसे मानव त्वचा की तुलना में काफी पतला बनाती है। ▪ यह पीज़ोइलेक्ट्रिक सामग्री (बल या दबाव को महसूस करने के लिए) को एक स्मार्ट पॉलिमर (आर्द्रता और तापमान के आधार पर बदलती मोटाई) के साथ जोड़ता है। ▪ इसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जा सकता है,जिसमें संवेदना बहाल करने के लिए प्रोस्थेटिक्स को कवर करके विकलांगों की सहायता करना,जले हुए पीड़ितों को संवेदना बहाल करने में सहायता करना और निरंतर स्वास्थ्य निगरानी के लिए स्मार्टवॉच के साथ एकीकृत करना शामिल है।

सुर्खियों में स्थल

विक्टोरिया झील

हाल ही में, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र (सीएसई) और राष्ट्रीय पर्यावरण प्रबंधन परिषद (एनईएमसी), तंजानिया ने विक्टोरिया झील को बहाल करने की रणनीतियों पर निर्णय लेने के लिए दार एस सलाम में एक बहुराष्ट्रीय हितधारक परामर्श आयोजित किया।

विक्टोरिया झील के बारे में:

- विक्टोरिया झील सुपीरियर झील के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील और अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है।
- यह पूर्वी अफ्रीका में स्थित है और इसकी सीमा तंजानिया, युगांडा और केन्या से लगती है।
- इसे केन्या में विक्टोरिया न्यानज़ा, युगांडा में नलुबाले और तंजानिया में उकेरेवे के नाम से भी जाना जाता है।
- यह झील व्हाइट नील नदी का एक स्रोत है जो उत्तर की ओर बहती है और बाद में सूडान में ब्लू नील के साथ मिलकर नील नदी का निर्माण करती है।

सुर्खियों में स्थल

स्विट्ज़रलैंड

हाल ही में, स्विस अर्थव्यवस्था मंत्री ने खुलासा किया कि 16 साल की वार्ताओं के बाद स्विट्जरलैंड और भारत एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत हो गए हैं।

स्विट्जरलैंड (राजधानी: बर्न)

अवस्थिति: स्विट्जरलैंड एक स्थलरुद्ध देश है जो मध्य यूरोप में स्थित है।

भौगोलिक सीमाएं: स्विट्जरलैंड ऑस्ट्रिया और लिकटेंस्टीन (पूर्व), फ्रांस (पश्चिम), जर्मनी (उत्तर) और इटली (दक्षिण) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- स्विट्जरलैंड अपनी विविध भौतिक विशेषताओं के लिए जाना जाता है, जिसमें दक्षिण और मध्य क्षेत्रों में स्विस आल्प्स, उत्तर-पश्चिम में जुरा पर्वत तथा उत्तर और उत्तर-पूर्व में स्विस पठार शामिल हैं।
- मुख्य नदियों में राइन नदी शामिल है जो स्विट्जरलैंड की उत्तरी सीमा का हिस्सा बनाती है और रोन, जो जिनेवा झील से होकर बहती है।
- डुफोरस्पिट्ज़े आल्प्स में एक पर्वत है और स्विट्जरलैंड की सबसे ऊंची चोटी है।

POINTS TO PONDER

- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना कब शुरू की गई थी? **- 22 जनवरी 2015**
- हाल ही में खोजे गए ग्रंथम शिलालेखों के मध्यकालीन प्रकार के उदाहरण किस वंश के शिलालेख हैं? **- चोल**
- राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है? **- केंद्र सरकार**
- हलवा समारोह के दौरान कढ़ाई (कड़ाही) को हिलाने का प्रतीकात्मक कार्य कौन करता है? **- वित्त मंत्री**
- हाल ही में, भारतीय और मिस्र की सेनाओं ने साइक्लोन अभ्यास में किन टुकड़ियों का प्रतिनिधित्व किया है? **- भारतीय पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) और मिस्र की कमांडो स्क्वाड्रन**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com